15 सदस्यीय भारतीय टीम की घोषणा

शुभमन गिल की कप्तानी बरकरार

अय्यर, पंत और सिराज की वनडे टीम में वापसी

मुंबई, 03 जनवरी. न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने शनिवार को 15 सदस्यीय भारतीय टीम की घोषणा कर दी। चयन समिति ने स्टार बल्लेबाज शुभमन गिल पर एक बार फिर भरोसा जताते हुए उन्हें कप्तान के तौर पर बरकरार रखा है। वहीं चोट और फिटनेस कारणों से बाहर चल रहे श्रेयस अय्यर, विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत और तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज की टीम में वापसी हुई है।

बीसीसीआई द्वारा जारी मीडिया रिलीज के अनुसार श्रेयस अय्यर को टीम में शामिल तो किया गया है, लेकिन उनकी उपलब्धता बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) से मिलने वाली अंतिम फिटनेस अनुमति पर निर्भर करेगी। अय्यर ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान चोटिल हो गए थे, जिसके बाद वह प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से दूर रहे। इसी कारण वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू वनडे सीरीज का हिस्सा भी नहीं बन पाए थे। हालांकि उन्हें विजय हजारे ट्रॉफी के अगले राउंड में खेलने के लिए सशर्त अनुमति मिल गई है और 6 जनवरी को मुंबई के लिए उनके मैदान पर उतरने की संभावना है।

कप्तान शुभमन गिल भी चोट से उबरकर टीम की अगुवाई करने लौट रहे हैं। पिछले महीने कोलकाता टेस्ट के दौरान गर्दन में चोट लगने के कारण वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर हो गए थे। गिल की वापसी के साथ ही भारतीय शीर्ष क्रम में स्थिरता लौटने की उम्मीद जताई जा रही है। रोहित शर्मा और विराट कोहली भी टीम का हिस्सा हैं और फिलहाल यही एकमात्र अंतरराष्ट्रीय प्रारूप है जिसमें दोनों सीनियर बल्लेबाज सक्रिय बने हुए हैं। हालांकि सीनियर खिलाड़ियों की वापसी का असर युवा बल्लेबाजों पर पड़ा है। ऋतुराज गायकवाड़ और तिलक वर्मा को टीम से बाहर कर दिया गया है, जबकि दोनों ने हाल ही में विजय हजारे ट्रॉफी में शतक जमाकर मजबूत दावेदारी पेश की थी। चयन समिति ने अनुभव को प्राथमिकता देते हुए मध्यक्रम में श्रेयस अय्यर और विकेटकीपिंग विभाग में ऋषभ पंत को केएल राहुल के साथ विकल्प के रूप में चुना है। इसके चलते युवा विकेटकीपर ध्रुव जुरेल को टीम से बाहर होना पड़ा।

ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या को इस वनडे सीरीज के लिए टीम में शामिल नहीं किया गया है। बीसीसीआई ने स्पष्ट किया है कि आगामी टी-20 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए हार्दिक के कार्यभार का प्रबंधन किया जा रहा है। सीओई ने

T-20 विश्व कप के लिए हार्दिक के कार्यभार का प्रबंधन किया

> गेंदबाजी आक्रमण की बात करें तो तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज की वापसी भारतीय आक्रमण को मजबूती देती है। उनके साथ अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा और हर्षित राणा को शामिल किया गया है। स्पिन विभाग की कमान कुलदीप यादव के हाथों में होगी, जबकि रवींद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर ऑलराउंड विकल्प के तौर पर टीम का संतुलन बनाएंगे। ऑस्ट्रेलिया दौरे के बावजूद जडेजा ने अक्षर पटेल पर बढ़त बनाए रखी है। युवा ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी को भी 15 सदस्यीय टीम में जगह दी गई है, जो चयनकर्ताओं के भविष्य के दृष्टिकोण को दर्शाता है। वहीं यशस्वी जायसवाल को शीर्ष क्रम के लिए बैकअप बल्लेबाज के तौर पर रखा गया है.

11 को पहला मुकाबला

भारत और न्यूजीलैंड के बीच वनडे सीरीज का पहला मुकाबला 11 जनवरी को वड़ोदरा में खेला जाएगा। इसके बाद दूसरा मैच 14 जनवरी को राजकोट और तीसरा व निर्णायक मुकाबला 18 जनवरी को इंदौर में आयोजित होगा। वनडे सीरीज के बाद दोनों टीमें पांच मैचों की टी-20 सीरीज में भी आमने-सामने होंगी, जिसकी शुरुआत 21 जनवरी से नागपुर में होगी। कुल मिलाकर चयन समिति ने न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए अनुभव और संतुलन को प्राथमिकता देते हुए टीम का चयन किया है.

पार्ल रॉयल्स की 1 रन से जीत

पार्ल, 03 जनवरी. ल्हुआन-ड्रे प्रिटोरियस की नाबाद 98 रनों की शानदार पारी की बदौलत पार्ल रॉयल्स ने शुक्रवार शाम बोलैंड पार्क में खेले गए वेस्टर्न केप डर्बी में एमआई केप टाउन को रोमांचक मुकाबले में एक रन से शिकस्त दी।

इस पारी के साथ प्रिटोरियस का बेटवे एसए20 सीजन 4 में अभियान पूरी तरह रफ्तार पकड़ता नजर आया। रॉयल्स के तेज गेंदबाज ऑटनील बार्टमैन को आखिरी ओवर में 15 रनों का बचाव करना था। तीसरी गेंद पर कागिसो रबाडा ने लॉन्ग ऑफ के ऊपर से शानदार छक्का जड़ दिया, जिससे लगा कि मुकाबला एमआई केप टाउन की ओर झुक गया है। लेकिन बार्टमैन (4/51) ने अगली ही गेंद पर रबाडा को बाउंड्री पर कैच करा दिया। इसके बाद आखिरी गेंद पर जीत के लिए एमआई केप टाउन को छह रन चाहिए थे। जॉर्ज लिंडे ने लेंथ गेंद को कवर के ऊपर से खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद बाउंड्री से कुछ इंच पहले ही गिर गई। इसके साथ ही रॉयल्स समर्थकों में जबरदस्त जश्न शुरू हो गया। इससे पहले, प्रतियोगिता के शुरुआती दो मैचों में शांत रहे प्रिटोरियस अपने पसंदीदा घरेलू मैदान पर पूरी लय में लौटे। पिछले सीजन के लीग के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले इस युवा बल्लेबाज ने 65 गेंदों की अपनी पारी में 10 चौके और दो छक्के जड़े।

> रॉयल्स के प्रशंसक प्रिटोरियस को उनके पहले टी20 शतक के लिए उत्साहित कर रहे थे, लेकिन पारी की आखिरी गेंद पर रबाडा ने डॉट बॉल डालकर रॉयल्स की पारी समाप्त कर दी। प्लेयर ऑफ द मैच के चार दावेदार ल्हुआन-ड्रे प्रिटोरियस, सिकंदर रज़ा, आसा ट्राइब और रैसी वैन डर डुसैन थे। प्रिटोरियस ने 72 प्रतिशत फैन वोटिंग के साथ यह पुरस्कार जीत लिया। शुरुआत से ही एमआई केप टाउन पर दबाव रहा, क्योंकि प्रिटोरियस और आसा ट्राइब ने पावरप्ले में आक्रामक बल्लेबाजी की।

एक नजर में

भारतीय निशानेबाज अंगद अंतरराष्ट्रीय मंच पर अब कनाडा का प्रतिनिधित्व करेंगे

ओटावा (कनाडा), भारतीय स्कीट निशानेबाज अंगद वीर सिंह बाजवा ने अपनी नागरिकता बदल ली है और वह भविष्य में अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में कनाडा का प्रतिनिधित्व करेंगे। निशानेबाज अंगद ने 25 दिसंबर को सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पर अपनी नई लाल जर्सी की तस्वीर साझा की, जिस पर उनका नाम और कनाडा का झंडा लगा हुआ था। अंगद इससे पहले भारत के लिए कई बड़े मंचों पर खेल चुके हैं। उन्होंने 2018 एशियाई खेलों और टोक्यो ओलंपिक 2021 में पुरुष स्कीट स्पर्धा में भारत का प्रतिनिधित्व किया था। अंगद ने अपनी नागरिकता बदल ली है और वह अब कनाडा का प्रतिनिधित्व करेंगे। 30 वर्षीय निशानेबाज के देश बदलने के फैसले को नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) से औपचारिक मंजूरी मिल गई है, जिसने उन्हें कनाडा के लिए खेलने के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) दे दिया है। अंगद वीर सिंह बाजवा ने आखिरी बार पिछले महीने नई दिल्ली के डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में 68वीं नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप में हिस्सा लिया था।

आज प्रो रेसलिंग लीग की नीलामी में उतरेंगे 250 से ज़्यादा पहलवान

नयी दिल्ली. प्रो रेसलिंग लीग हाई-प्रोफाइल वापसी के लिए तैयार है। आज नई दिल्ली में होने वाली 2026 प्लेयर नीलामी में 250 से ज़्यादा पहलवानों की बोली लगेगी। यह नीलामी लीग के पांचवें सीजन7 की तैयारी में एक अहम कदम है, जो छह साल के ब्रेक के बाद फिर से शुरू हो रहा है। नीलामी पूल में पहलवानों को उनके प्रदर्शन और अंतरराष्ट्रीय पहचान के आधार पर चार कैटेगरी में बांटा गया है - ए (मार्की), ए, बी और सी। इन कैटेगरी के लिए बेस प्राइस ए पहलवानों के लिए 18 लाख, कैटेगरी ए के लिए 12 लाख, कैटेगरी बी के लिए 8 लाख और कैटेगरी सी के लिए 3 लाख तय किया गया है, जिससे फ्रेंचाइजी को एक व्यवस्थित और पारदर्शी बोली लगाने का ढांचा मिलता है। नीलामी पूल में कई बड़े नाम, जिनमें जापानी महिला रेसलिंग की दिग्गज यूई सुसाकी, क्यूबा की पेरिस ओलंपिक सिल्वर मेडलिस्ट युस्नेलिस गुजमैन लोपेज और यूक्रेन की दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट इरीना कोलियाडेन्को के साथ-साथ स्थानीय सितारे अमन सहरावत, जो पेरिस ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता हैं और भारत की सबसे कम उम्र की ओलंपिक महिला पहलवान और दो बार की विश्व चैंपियनशिप मेडलिस्ट अंतिम पंघाल, ए कैटेगरी में शामिल हैं।

रोहित और कोहली को लंबे समय तक खेलते देखना चाहता हूँ: इरफ़ान पठान

नयी दिल्ली. भारत 2026 की शुरुआत न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू व्हाइट-बॉल चुनौती के साथ करेगा, जिसकी शुरुआत तीन मैचों की वनडे सीरीज से होगी जिसमें रोहित शर्मा और विराट कोहली एक बार फिर भारत की जर्सी में दिखेंगे। 'फॉलो द ब्लूज' पर बात करते हुए, जियोस्टार के एक्सपर्ट इरफ़ान पठान और वरुण आरोन ने ज़्यादा वनडे और ट्राई-सीरीज की जरूरत, रोहित और कोहली के वनडे करियर को बढ़ाने के महत्व और नए कप्तान शुभमन गिल के आस-पास बढ़ती उम्मीदों पर ज़ोर दिया। इरफ़ान पठान ने रोहित और कोहली के पुरुष विश्व कप 2027 में खेलने के बारे में कहा, आप निश्चित रूप से 2027 वनडे वर्ल्ड कप के बारे में सोचना चाहेंगे। यह अभी दूर है, लेकिन मैं बस रोहित और कोहली दोनों को लंबे समय तक भारत के लिए और जब वे इंटरनेशनल क्रिकेट नहीं खेल रहे हों, तो घरेलू क्रिकेट में खेलते देखना चाहता हूँ। वे सिर्फ एक फॉर्मेट खेल रहे हैं और कुछ नहीं, इसलिए वे जितना ज़्यादा खेलेंगे, उतना ही बेहतर होगा।

विराट-रोहित आज भी तीनों फॉर्मेट के लिए फिट

आईसीसी मैच रेफरी निषित पुंजा ने किया भोजपुर क्लब दौरा

ओमान क्रिकेट और महिला क्रिकेट के भविष्य पर खुलकर रखे विचार

भोपाल, 03 जनवरी. दुनिया के सर्वाधिक लोकप्रिय खेलों में से एक क्रिकेट की शोहरत दिनोंदिन बढ़ती जा रही है। और बढ़े भी क्यों ना, अपने तीनों फॉर्मेट टेस्ट, वनडे और टी-20 के रूप में यह खेल दिन और रात दोनों समय में आकर्षक बन गया है।

इसका रोमांच, प्रतियोगिता और हर गेंद पर बल्ले की चोट दर्शकों को मोहित कर लेती है। और फिर इसका जेंटलमैन रूप भी सभी को भाता है। बहरहाल अब तक हमने कमेंटेटर, खिलाड़ी और दर्शकों के नजरिए से क्रिकेट को जाना और समझा है। पर आज मैच रेफरी के नजरिए से जानते हैं कि क्रिकेट का सफर किस ओर जा रहा है। दरअसल पिछले दिन इंटरनेशनल क्रिकेट कमेटी (आइसीसी) के मैच रेफरी निषित पुंजा अपनी पत्नी के साथ ओमान से भोजपुर क्लब पहुंचे और यहां चल रही क्रिकेट की नर्सरी को देख अभिभूत हो गए। उन्होंने यहां की स्पोर्ट्स फैसिलिटी को लेकर एएस सिंहदेव (एसपीजी चेयरमैन) से चर्चा की और कहा- इस तरह के क्लब से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों का निकलना रोचक है।

> ओमान में भारत और पाकिस्तान दोनों देशों के खिलाड़ी होने का कितना फायदा मिलता है? हां, ओमान की टीम में कई भारतीय और पाकिस्तानी खिलाड़ी होने से वहां क्रिकेट की अलग समझ दिखाई देती है। खासकर भारत के जो क्रिकेट खिलाड़ी हैं, उनकी समझ बहुत अच्छी है और फिर ओमान क्रिकेट में उभरती हुई टीम है। उन्हें काफी मेहनत करनी होगी। भारतीय क्रिकेट टीम अभी जो नये सितारे उभरे हैं, उन्हें लेकर आपका क्या विचार है? हाल के दिनों में भारतीय टीम में जो युवा खिलाड़ी आए हैं, उनका खेल श्रेष्ठ है। शुभमन गिल, तिलक वर्मा, अभिषेक और खासकर अंडर-19 की टीमों के वैभव सूर्यवंशी, आयुष म्हात्रे जैसे खिलाड़ियों की क्रिकेट तो बेहतरीन है।

ख्वाजा के विदाई टेस्ट के बीच इंग्लैंड लड़ेगा आखिरी लड़ाई

सिडनी. एशेज दौरे का इंग्लैंड का आखिरी प्रैक्टिस सेशन शनिवार को दोपहर करीब 3.15 बजे खत्म हुआ। जैकब बेथेल आखिरी बल्लेबाज थे जिन्होंने असिस्टेंट कोच जीतन पटेल से थ्रोडाउन का सामना किया और फिर ऐतिहासिक एससीजी पवेलियन की ओर चले गए। उनके पीछे इंग्लैंड टीम का लीडरशिप ग्रुप था। कप्तान बेन स्टोक्स, कोच ब्रेंडन मैकुलम और क्रिकेट डायरेक्टर रॉबर्ट की, वे तीन लोग जो साढ़े तीन साल पहले इंग्लिश क्रिकेट को फिर से ज़िंदा करने और फिर एशेज कैपेन को यादगार बनाने के लिए एक साथ आए थे, पांचवें और आखिरी टेस्ट की पूर्व संध्या पर मैदान से बाहर निकलते समय आपस में बातचीत कर रहे थे।

5 पारियों में पडिक्कल का चौथा शतक

शतक से पडिक्कल सुर्खियों में

बेंगलुरु, 03 जनवरी कर्नाटक के ओपनर देवदत्त पडिक्कल ने एक बार फिर दिखाया कि उन्हें भारत के सबसे होनहार युवा बल्लेबाजी प्रतिभाओं में से एक क्यों माना जाता है, उन्होंने त्रिपुरा के खिलाफ विजय हजारे ट्रॉफी के राउंड 5 में रविवार को शानदार शतक लगाया।

न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज नजदीक होने के कारण, पडिक्कल की लगातार घरेलू फॉर्म ने उन्हें राष्ट्रीय चयन के लिए सुर्खियों में ला दिया है। नरेंद्र मोदी स्टेडियम में कर्नाटक की पारी की शुरुआत मुश्किल रही, जहां हरी पिच गेंदबाजों के लिए मददगार थी। त्रिपुरा के अभिजीत सरकार की शुरुआती गेंदों ने कर्नाटक को 6/2 पर ला दिया, जिसमें कप्तान मयंक अग्रवाल (5) और करुण नायर (0) आउट हो गए। इस नाजुक मोड़ पर, पडिक्कल ने पारी को संभालने के लिए कदम रखा। संयम और नियंत्रित आक्रामकता का तालमेल बिठाते हुए, पडिक्कल ने स्मरन रविचंद्रन (60) के साथ मिलकर सावधानी से अपनी पारी को आगे बढ़ाया, और 136 रन की साझेदारी की, जिसने कर्नाटक को तत्काल खतरे से बाहर निकाला।

मेदवेदेव की निगाह ब्रिस्बेन में खिताब जीतने पर

ब्रिस्बेन, 03 जनवरी. दानिल मेदवेदेव, टॉमी पॉल और जोआओ फोनसेका उन सितारों में से हैं जो इस आने वाले सप्ताह में ब्रिस्बेन इंटरनेशनल में 2026 सीजन की शुरुआत करने के लिए तैयार हैं, जहाँ शनिवार को ड्रॉ निकाला गया। टॉप सीड मेदवेदेव 2019 में फाइनल में पहुंचने के बाद पहली बार ब्रिस्बेन में प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं और अपने पहले मैच में मार्टन फुक्सोविक्स का सामना करेंगे। विजेता फ्रांसिस टियाफो या ऑस्ट्रेलियाई वाइल्ड कार्ड अलेक्जेंडर वुकिच से भिड़ेगा। पॉल ने पैर की चोट के कारण यूएस ओपन के बाद से प्रतिस्पर्धा नहीं की है, लेकिन बड़े-सर्विस वाले फ्रांसीसी खिलाड़ी जियोवानी म्पेट्शी पेरिकार्ड के खिलाफ वापसी करेंगे।

टूर्नामेंट

हार्दिक पंड्या, ऋषभ पंत और देवदत्त पडिक्कल ने चयनकर्ताओं का बढ़ाया सिरदर्द

विजय हजारे ट्रॉफी में प्रदर्शन की बाढ़

नई दिल्ली, 03 जनवरी विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 का मौजूदा सत्र भारतीय क्रिकेट के लिए बेहद अहम मोड़ पर पहुंच गया है। यह टूर्नामेंट अब केवल घरेलू टीमों की प्रतिस्पर्धा भर नहीं रह गया है, बल्कि इसे भारतीय वनडे टीम के चयन का सबसे बड़ा पैमाना माना जा रहा है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ प्रस्तावित एकदिवसीय सीरीज से पहले अनुभवी और युवा खिलाड़ियों ने अपने-अपने प्रदर्शन से चयनकर्ताओं के सामने विकल्पों की भरमार खड़ी कर दी है।

सबसे बड़ी खबर श्रेयस अय्यर की वापसी को लेकर सामने आई है। ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान चोटिल होकर टीम से बाहर हुए अय्यर ने बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में सफल रिहैब पूरा किया है। अभ्यास मैच और फिटनेस ड्रिल में बिना किसी परेशानी के भाग लेने के बाद उन्हें विजय हजारे ट्रॉफी में खेलने की अनुमति दे दी गई है। 6 जनवरी को मुंबई के लिए उनका मैदान पर उतरना लगभग तय माना जा रहा है। अय्यर की वापसी से भारत के मध्यक्रम, खासकर नंबर चार की पोजीशन को लेकर प्रतिस्पर्धा और दिलचस्प हो गई है। इसी बीच दिल्ली के कप्तान ऋषभ पंत ने अपने प्रदर्शन से यह साफ कर दिया है कि वह अब पूरी तरह फिट हैं और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी के लिए तैयार हैं।

सर्विसेज के खिलाफ आसान लक्ष्य का पीछा करते हुए पंत ने आक्रामक बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया और कम गेंदों में मैच खत्म किया। उनकी पारी केवल रन बनाने तक सीमित नहीं रही, बल्कि उसमें आत्मविश्वास और मैच कंट्रोल करने की झलक साफ दिखी। विकेटकीपर-बल्लेबाज के तौर पर पंत की मौजूदगी चयनकर्ताओं के लिए बड़ा फैक्टर साबित हो सकती है।

> ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या ने भी विजय हजारे ट्रॉफी को अपनी वापसी का मंच बनाया है। विदर्भ के खिलाफ बड़ौदा की ओर से खेलते हुए उन्होंने 92 गेंदों में 133 रन की तूफानी पारी खेली, जिसमें 11 छक्के शामिल थे। टीम के शुरुआती झटकों के बाद हार्दिक ने पारी को संभालते हुए न केवल स्कोर को सम्मानजनक बनाया, बल्कि यह भी साबित किया कि वह लंबे समय तक बल्लेबाजी करने में सक्षम हैं। उनकी यह पारी न्यूजीलैंड सीरीज के लिए उनके चयन को मजबूती देती है।